भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1453
12 दिसंबर, 2023 को उत्तर के लिए

मछुआरों को मौसम पूर्वानुमान की जानकारी

1453. श्री ए. राजा:
श्री ए. गणेशमूर्तिः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र (आईएनसीओआईएस) ने हाल ही में देश में छोटे और सीमांत मछुआरों के लाभ के लिए समुद्री सूचना और परामर्शी सेवाओं के संबंध में व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा मछुआरों को समुद्र में जाते समय सोच समझ कर निर्णय लेने में सहायता करने के लिए समुद्र की स्थिति के पूर्वानुमान और मौसम पूर्वानुमानों के बारे में अद्यतन जानकारी प्रदान करने के लिए की गई पहलों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या इस समुदाय की आजीविका को बेहतर बनाने के लिए इस प्रयोजनार्थ कोई ऐप विकसित किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क)और (ख): जी, हाँ । वैज्ञानिक सेवाओं का लाभ पहुंचाने के लिए उपयोगकर्ताओं तक समुद्री सूचना और परामर्शी सेवाओं के बारे में जागरूकता और पहुंच बढ़ाने की मंशा से आईएनसीओआईएस ने भारत के तटीय राज्यों में 05 मेगा जागरूकता अभियान के साथ-साथ ग्राम स्तर की कार्यशालाएँ आयोजित की हैं। महासागर सूचना और परामर्शी सेवाओं पर मेगा जागरूकता अभियान जुलाई-अगस्त, 2023 के दौरान आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम में; गुजरात में वेरावल; महाराष्ट्र में मुंबई; पश्चिम बंगाल में दीघा; और तमिलनाडु में चेन्नई में आयोजित किए गए। राज्य मत्स्यपालन विभागों, गैर सरकारी संगठनों, संबंधित मात्स्यिकी संगठनों आदि के साथ मेगा जागरूकता अभियान चलाए गए और छोटे और सीमांत मछुआरों के समुदाय को उनकी आजीविका और सुरक्षा के लिए लाभ पहुंचाया गया । सभी मेगा जागरूकता कार्यक्रमों में प्रत्येक अभियान में 200-800 मछुआरों की भागीदारी थी। जनवरी-मार्च, 2023 के दौरान केरल के नींदकारा, चेट्टुवा, मुनंबम, महाराष्ट्र के मुराड, पुडुचेरी के कराईकल और तमिलनाडु के तूतीकोरिन, पूमपुहार, कीलाकरई में आठ ग्राम स्तरीय कार्यशालाएँ भी आयोजित की गईं।

(ग): आईएनसीओआईएस ने महासागर की स्थिति के पूर्वानुमानों की सटीकता में सुधार के लिए कई वैज्ञानिक पहल किए हैं, जैसे हिंद महासागर के लिए हाई-रिज़ॉल्यूशन ऑपरेशनल ऑशियन फॉरकास्ट एंड रिएनालिसिस सिस्टम का संचालन, चक्रवात पूर्वानुमान के लिए एचवाईसीऑएम-एचडब्लूआरएफ कप्ल्ड़ मॉडल, वेव मॉडलिंग के लिए मल्टी-ग्रिड वेववॉच-III और डेटा एसिमिलेशन और मल्टी एन्सेम्बल फोरकास्टिंग की शुरुआत की।

ओशियन स्टेट फोरेकास्ट (ओएसएफ) सेवाओं में अगले 5 से 7 दिनों के लिए लहर की ऊंचाई, दिशा और अवधि (हवा की लहर और उफनती लहर /स्वेल्ल वेव्स दोनों की), सी सरफेस करेरेंट्स , अस्त्रोनोमिकल टाईड्स, हवा की गति और दिशा पर डाईनेमिक जानकारी शामिल होती है। हाई वेव/स्वेल सूचना मछुआरे समुदाय को अलर्ट/चेतावनी प्रदान करती है जिससे उन्हें समुद्र में जाने से पहले सूचित निर्णय लेने में मदद मिलती है। चक्रवातों से जुड़े तूफ़ान और बाढ़ की चेतावनी भी जारी की जाती है। दक्षिणी हिंद महासागर से आने वाली हाई पीरियड स्वेल वेव के प्रभाव से समुद्री लहरें और समुद्र की जोखिम से भरी स्थिति और इससे तटीय क्षेत्रों में बाढ़ की संभावना के बारे में भी चेतावनी दी जाती है।

आईएनसीओआईएस ने ओएसएफ सेवाओं को और अधिक अनुकूलित (कस्टमाईज़) किया है और "लघु पोत सलाहकार सेवाएँ / स्माल वेस्सेल ऍडवाईज़री सर्विसेस (एसवीएएस)" शुरू की है जो मछुआरों के लिए नाव-विशिष्ट सुरक्षा जानकारी प्रदान करती है जिससे उन्हें उन क्षेत्रों से बचने में मदद मिलती है जो नावों के पलटने का कारण बनते हैं। सूचना की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मछुआरा समुदाय को यह जानकारी कई प्रसार प्लेटफार्मों जैसे कि ई-मेल, वेबसाइट, मोबाइल एप्लिकेशन, व्हाट्सएप, टेलीग्राम चैनल, मोबाइल एप्लिकेशन, बहुभाषी एसएमएस संदेश आदि के माध्यम से प्रदान की जाती है। इसके अलावा, सभी मछुआरा समुदाय तक सूचना के और अधिक प्रसार के लिए गैर सरकारी संगठनों के साथ भागीदारी की गई है।

मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, अपनी प्रमुख योजना "प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (पीएमएमएसवाई)" के तहत संभावित मत्स्यन क्षेत्र / पोटेनशियल फिशिंग ज़ोन (पीएफजेड) उपकरणों, वीएचएफ/डीएटी/एनएवीआईसी आदि जैसे संचार और ट्रैकिंग उपकरणों के लिए मछुआरों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इसके अलावा, 364.0 करोड़ रूपये के कुल परिव्यय पर पीएमएमएसवाई के तहत 1,00,000 मत्स्यन नौकाओं में ट्रांसपोंडर की स्थापना के लिए एक राष्ट्रीय रोलआउट योजना को भी मंजूरी दी गई है। ट्रांसपोंडर टू-वे कम्यूनिकेशन, सहायता और निगरानी उपकरण हैं जिन्हें इसरो ने 100% स्वदेशी अनुसंधान और विकास प्रयासों के साथ जीएसएटी -6 उपग्रह का उपयोग करके विकसित किया है, जो मछुआरों को चक्रवात चेतावनी, मौसम अलर्ट, अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के स्थान, हाई टाइड अलर्ट, पीएफजेड, टेक्स्ट मैसेजिंग, जियोफेंस उल्लंघन निगरानी आदि सहित चेतावनियां और संदेश प्रसार प्रदान करता है।

(घ): आईएनसीओआईएस ने समुद्र से संबंधित सभी सेवाओं पर व्यापक जानकारी के लिए "समुद्रा" (स्मार्ट एकसेस टु मरीन यूसेर्स फॉर ओशियन डेटा रीसोर्ससेस और एड्वाइसरीस) नामक एक मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया है, जो नाविकों और मत्स्यन समुदाय दोनों के लिए उपयोगी है। मोबाइल ऐप उपयोगकर्ताओं को सुनामी, तूफ़ान, ऊंची लहरें, स्वेल सर्जेज आदि जैसी समुद्री आपदाओं पर वास्तविक समय के अपडेट और महत्वपूर्ण अलर्ट देकर सशक्त बनाता है ।

*****